BIS launches its Young Standardizers' Program

by conducting its

First Young Standardizers' Workshop

BIS launched its Young Standardizers' Program by conducting its first Young Standardizers' Workshop on 21st April 2017 at BIS Head Quarters, New Delhi.

The workshop was inaugurated by MrsAlka Panda, DG, BIS who introduced the program, dedicating it to the next generation of standardizers for providing them an opportunity to be aware of the national & international standardization processes and to appreciate how to maximize benefits from being involved in standardization.

The Workshop was a huge success and received a great response from the participants. There were 90 participants from different parts of the country. During the workshop, presentations were made on National & International standardization processes and on benefits of getting involved in standardization processes. The workshop also included two breakout sessions on how to sensitize stakeholders to enhance their participation in standardization activity.

Young Standardizers' Program was introduced with the objective to help young professionals in the country to appreciate the importance of standards at the start of their careers and to encourage them to participate in National and International Standardization work by introducing them to the initial concepts of National and International Standardization.

बीआईएस ने पहली यंग स्टैंडर्डाइजर्स कार्यशाला आयोजित करके यंग स्टैंडर्डाइजर्स कार्यक्रम की शुरुआत की

भारतीय मानक ब्यूरो ने बीआईएस मुख्यालय, नई दिल्ली में 21 अप्रैल 2017 को अपनी पहली यंग स्टैंडर्डाइजर्स कार्यशाला आयोजित करके अपने यंग स्टैंडर्डाइजर्स कार्यक्रम की शुरुआत की।

श्रीमती अलका पंडा, महानिदेशक, बीआईएस ने इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कार्यक्रम का परिचय दिया और इस कार्यक्रम को अगली पीढ़ी के स्टैंडर्डाइजर्स को समर्पित करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण प्रक्रियाओं में उपलब्ध अवसरों के बारे में जागरूक होने और मानकीकरण में शामिल होकर इसके अधिकतम फायदों के विषय में जानकारी प्रदान की।

यह कार्यशाला सफल रही और प्रतिभागियों का भरपूर समर्थन मिला। इस कार्यशला में देश के विभिन्न हिस्सों से 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के दौरान, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण प्रक्रियाओं और मानकीकरण प्रक्रियाओं में शामिल होने के फायदों पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। कार्यशाला में स्टेकहोल्डरों को मानकीकरण गतिविधि में अधिक भागीदारी करने के लिए संवेदनशील बनाने हेत् दो ब्रेक आउट सत्र शामिल किए गए।

यंग स्टैंडर्डाइजर्स कार्यक्रम इस उद्देश्य से शुरु किया गया ताकि देश में युवा पेशेवर अपने कैरियर की शुरुआत में मानकों के महत्त्व को समझें और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मनाकीकरण की अवधारणाओं से अवगत कराकर राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।





























